

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS) के अन्तर्गत शास्त्री+आचार्य (पञ्चवर्षीय) पाठ्यक्रम के लिए
निर्मित पाठ्यक्रम की रूप रेखा

कक्षा	सत्राधीर्म्	पत्रकूटाइकः	पाठ्यक्रमस्य विवरणम्	क्रेडिटक्रमः	क्रेडिटसंख्या	होरा	
शास्त्रीप्रथम् वर्षम्	षष्ठम्	GE-3	<p>किरातार्जुनीयमहाकाव्ये राजनीतिका विचाराः</p> <p>1. गुप्तचरस्य धर्मः</p> <ul style="list-style-type: none"> • महाकविभारवे: परिचयः • किरातार्जुनीयस्य कथासारः <ul style="list-style-type: none"> ➤ वनेचरस्य युधिष्ठिरं हस्तिनापुरात् प्रत्यागमनम् ➤ युधिष्ठिरहतैषिणो वनेचरस्य सत्यवादिता ➤ वनेचरस्य वाचो गुणः ➤ गुप्तचरस्य धर्मः <p>2.दुर्योधनस्य राजनीतिः</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ सर्वसम्पदां प्राप्तेः कारणम् ➤ राजनीतिर्दुर्बोधा ➤ दुर्योधनस्य नयेन जगतीं जिगीषा ➤ अनार्थसङ्गमात् महात्मविरोधोऽपि वरम् ➤ दुर्योधनस्य सखिप्रभृतीन् प्रति व्यवहारः ➤ दुर्योधनेन महौजसां स्ववशे स्थापनम् ➤ दुर्योधनशासने प्रजानां स्थितिः ➤ गुप्तचरादिनियुक्तिः ➤ राजनीतेः साफल्यम् ➤ युधिष्ठिरेण सत्कृतस्य वनेचरस्य गमनम् <p>3.द्रौपद्योपदिष्टं विजयार्थिनां राजां कर्तव्यम्</p> <ul style="list-style-type: none"> • युधिष्ठिरोपालम्भः 	1	4	64+16	16+04

		<ul style="list-style-type: none"> ● मायाविषु मायाविभिर्भाव्यम् ● पराक्रमवतः पराभवः अप्युत्सवः ● शमो मुनीनां सिद्धेः कारणम् न तु राजाम् ● विजयार्थिभिः सन्धिनं पालनीयः <p>4. युधिष्ठिरेण भीमस्य प्रसादनम्</p> <ul style="list-style-type: none"> ● द्रौपद्या वाचो गुणाः ● सकोपस्य भीमस्य युधिष्ठिरं प्रत्युपालम्भः ● द्रौपदीमतं समर्थयमानेन भीमेन युधिष्ठिरं प्रति पराक्रमाय प्रेरणम् ● युधिष्ठिरेण सकोपस्य भीमस्य प्रसादनम् प्रशमस्य माहात्म्यं च <ul style="list-style-type: none"> ➤ भीमस्य वाचो गुणाः ➤ अविचार्य किमपि न कर्तव्यम् ➤ प्रशमस्य प्रभावः ➤ असदाचारेण लभ्यो जयः पराजय एव ➤ जिगीषुभिः क्रोधो जेयः ➤ श्रियो बहुच्छलाः ➤ तितिक्षासमं जयसाधनं नास्ति ➤ इदानीं पराक्रमस्य नावसरः ➤ मदः अनर्थहेतुः ➤ अणुरपि प्रकृतिप्रकोपजो विग्रहः सकलं निहन्ति ➤ मतिमता अविनयस्य द्विषः समुन्नतिरुपेक्षणीया ➤ भगवतो व्यासस्यागमनम् <p>उद्देश्यम्:- काञ्चेषु वर्णितस्य राजनैतिकविचारस्य बोधनम् परिणामः:- अस्य पाठ्यक्रमस्य अध्ययनादन्तरं छात्राः-</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. गुणचरस्य कर्तव्यं ज्ञास्यन्ति। 2. दुर्योधनस्य कुटिलराजनीतिं ज्ञास्यन्ति। 	1	16+04
--	--	-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	---	-------

		<p>3. द्रौपद्याः वचने कर्तव्यतत्परतां ज्ञास्यन्ति। 4. शमादिगुणं ज्ञातुं प्रभविष्यन्ति।</p> <p>पादयग्रन्थः-किरातारुनीयम् (प्रथमद्वितीयसगौ), महाकविभारवि, मल्लनाथ, पण्डितद्वार्गप्रसाद एवं काशिनाथ पाण्डुरंग परब, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली, 2010</p> <p>सहायकग्रन्थः-</p> <ol style="list-style-type: none"> संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर कृषि, चौखम्बा विश्वभारती अकादमी, वाराणसी-221001 संकृत साहित्य का इतिहास, आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन वाराणसी, 221010 कालिदास ग्रन्थावली, कालिदास, ब्रह्मानन्दत्रिपाठी, पण्डित रामतेजशास्त्री, चौखम्बासुरभारती प्रकाशन, वाराणसी- 221001 <p>परीक्षामूल्याङ्कनपद्धतिः:- 1. वैकल्पिकप्रश्नोत्तराणि, 2. एकेन वाक्येन उत्तरलेखनम् 3. लघूतरीयप्रश्नाः, 4. दीर्घोत्तरप्रश्नाः।</p> <p>आन्तरिकमूल्याङ्कनम्- अधीलिखितेषु कानिचित् चत्वारि आश्रित्य मूल्याङ्कनं विधेयम्- 1. कार्यशालासु भागग्रहणम्, 2. प्रदत्तकार्यलेखनम्, 3. पाठ्यविषयाधारेण विडियोनिमाणम्, 4. लघुनाटकाभिनयः, 5. शास्त्रसंजीवनीकार्यक्रमे भागग्रहणम्, 6. वाच्चर्थिनीसभायाम् अधीतिविषयप्रस्तुतिः।</p>		
--	--	-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	--	--